वित्तीय साक्षरता सप्ताह पर हाईटेक मोबाइल वैन रवाना

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित देशव्यापी 'वित्तीय साक्षरता सप्ताह' के अवसर पर भिंड जिला

एलडीएम ने दिखाई हरी झंडी, जिलेभर में होगा जागरूकता अभियान

प्रशासन एवं स्थानीय वित्तीय अधिकारियों द्वारा एक उच्च तकनीक से युक्त एलईडी मोबाइल वैन एवं एक अन्य वित्तीय साक्षरता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ

भिंड के एलडीएम जितेंद्र कुमार द्वारा किया गया।

ये दोनों मोबाइल इकाइयां पूरे भिंड जिले का भ्रमण करेंगी और शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा, डिजिटल बैंकिंग और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करेंगी।

'पहियों पर कक्षा' बनेंगी मोबाइल इकाइयां : यह पहल जमीनी स्तर पर वित्तीय साक्षरता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एलईडी स्क्रीन से सुसज्जित ये वाहन 'क्लासरूम ऑन व्हील्स' के रूप में कार्य करेंगे, जिनके माध्यम से नागरिकों को संवादात्मक वीडियो एवं प्रस्तुति के ज़रिए जानकारी दी जाएगी।

जागरूकता के साथ-साथ यह पहल व्यावहारिक समाधान भी प्रदान करेगी। मोबाइल वैन के माध्यम से सीकेवाईसी से जुड़ी लंबित समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मौके पर ही बैंक कर्मी नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में निष्क्रिय या अपूर्ण खातों को नियमित करने में मदद मिलेगी। बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी।

वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन : वित्तीय साक्षरता सप्ताह के दौरान वित्तीय साक्षरता केंद्र के कर्मचारी जिले के विभिन्न ब्लॉकों में दैनिक ऑन-ग्राउंड शिविर आयोजित करेंगे। इन शिविरों के माध्यम से बैंक अधिकारियों और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा। बैंकिंग शिकायतों का समाधान किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार की वित्तीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

एलडीएम ने की जागरूक बनने की अपील

इस अवसर पर एलडीएम जितेंद्र कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे डिजिटल बैंकिंग का सुरक्षित उपयोग करें, किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक से सावधान रहें और समय पर केवाईसी अपडेट कराएं। उन्होंने कहा कि वित्तीय रूप से जागरूक नागरिक ही सुरक्षित और सशक्त समाज की नींव होते हैं। यह अभियान भिंड जिले को वित्तीय रूप से सशक्त और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम माना जा रहा है, जो विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित वर्गों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

मालनपुर में सड़क हादसा, बस की टक्कर से दो बाइक सवार गंभीर घायल

मालनपुर, 11 फरवरी। मालनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एमजी रबर फैक्ट्री के सामने बुधवार को एक सड़क हादसा हो गया। यहां एक बस चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में रामसेवक पुत्र नंदू, निवासी मरोरी, जिला टीकमगढ़, उम्र लगभग 45 वर्ष तथा मुकेश पुत्र दर्शन सिंह, निवासी गुरीखा गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही मालनपुर पुलिस एवं डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है तथा बस चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

आर्य का मौ प्रवास, संगठनात्मक कार्यक्रमों में लिया भाग

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य अपने निर्धारित मौ क्षेत्र के एक दिवसीय प्रवास के तहत नगर परिषद मौ पहुंचे, जहां उन्होंने पार्टी के अनेक संगठनात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता की।

इस अवसर पर भाजपा मंडल मौ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर्य ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को अंत्योदय और एकात्म मानववाद का प्रणेता बताते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया।

केंद्रीय बजट 2026-27 पर व्यापारियों से संवाद

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर्य ने व्यापारियों से संवाद करते हुए केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के जनहितैषी बजट की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह बजट निजी निवेश को बढ़ावा देने और विनिर्माण क्षेत्र को गति देने वाला है।

बेजुबान जानवरों की सेवा में समर्पित है इंसानियत युवा मंडल समिति

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। भिंड की इंसानियत युवा मंडल समिति निरंतर घायल और असहाय बेजुबान जानवरों की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रही है। शहर ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों से भी लोग घायल अवस्था में जानवरों को इस संस्था तक लेकर आते हैं, जहां उनका समुचित उपचार और देखभाल की जाती है।

संस्था द्वारा न केवल इन बेजुबान जानवरों का इलाज कराया जाता है, बल्कि उनके खान-पान और रहने की भी उचित व्यवस्था की गई है। कुछ महीनों पूर्व इन बेजुबानों के लिए भोजन तैयार करने हेतु लगभग डेढ़ लाख रुपये की लागत से एक विशेष मशीन मंगाई गई है, जिसके माध्यम से बड़ी संख्या में जानवरों

के लिए नियमित रूप से भोजन तैयार किया जा रहा है। संस्था के संस्थापक अनंत इंसानियत ने बताया कि यहाँ कार्य करने वाले सभी युवा एवं युवतियाँ निस्वार्थ भाव से नियमित रूप से सेवा देते हैं। उनका उद्देश्य केवल मानवता की सच्ची सेवा करना है।

भिंड जिले के कई अधिकारियों ने भी इस पुनीत कार्य में आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। विशेष रूप से भिंड शहर के एक पुलिस अधिकारी ने संस्था में इनवर्टर लगवाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग के कई अधिकारी नियमित रूप से यहाँ आकर सेवा कार्य में भाग लेते हैं। शहर के एक पुलिस अधिकारी ने चर्चा के दौरान बताया कि उन्हें कुत्ते पालने का शौक है, लेकिन जब वे इस संस्था से जुड़े और यहाँ की निस्वार्थ सेवा भावना को देखा, तो वे अत्यंत प्रभावित हुए।

उन्होंने कहा कि पिछले महीने उनकी कॉलोनी में एक मादा कुत्ते ने बच्चों को जन्म दिया। इस दृश्य ने उनके मन में सेवा भाव को और अधिक जागृत किया। उन्होंने बाजार से कुत्ता खरीदने के बजाय इन बेजुबान कुत्तों को अपनाना ही सच्ची मानव सेवा समझा।इंसान को हमेशा बेजुबान जानवरों की पीड़ा को समझते हुए निस्वार्थ भाव से उनकी सहायता करनी चाहिए — यही सच्ची मानवता है। पुलिस अधिकारी ने अपना नाम समाचार में न प्रकाशित करने की बात कही इस इंसानियत युवा मंडल समिति में शहर के युवा बढ़-चढ़कर सेवा कार्य कर रहे हैं।

इस अभियान में यह युवा हैं मुख्य रूप से शामिल

इस अभियान में मुख्य रूप से दीपचंद्र इंसानियत, पंकज भारद्वाज इंसानियत, शिल्पा इंसानियत, समीक्षा इंसानियत, शिवानी इंसानियत, नेहा इंसानियत, आयुषी इंसानियत, शाइन इंसानियत, अभिनव इंसानियत, अनुज इंसानियत, अंकित इंसानियत, रोहित इंसानियत, मोहित इंसानियत, चिंटू इंसानियत, राकेश इंसानियत, छोटू इंसानियत, अक्षय इंसानियत, वरुण इंसानियत, वसीम इंसानियत सहित अन्य कई युवा शामिल हैं।

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन का धरना प्रदर्शन

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी दो सूत्रीय प्रमुख मांगों को लेकर बिजली विभाग के एसई कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरने के उपरांत एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम अधीक्षण अभियंता (एसई) को ज्ञापन सौंपकर पेंशनर्स की समस्याओं से अवगत कराया।

धरना प्रदर्शन के दौरान

दो सूत्रीय मांगों को लेकर एसई कार्यालय के बाहर जताया विरोध

वक्ताओं ने कहा कि विद्युत कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पश्चात मिलने वाली पेंशन की गारंटी सुनिश्चित की जाए तथा शासन के कोषालय के माध्यम से पेंशन का भुगतान किया जाना तय किया जाए, ताकि पेंशनरों को किसी प्रकार की अनिश्चितता का सामना न करना पड़े।

महंगाई राहत की मांग

एसोसिएशन ने दूसरी प्रमुख मांग के रूप में कहा कि केंद्र सरकार के समान सेवानिवृत्त विद्युत कर्मचारियों को भी महंगाई राहत (डीआर) प्रदान की जाए। वर्तमान में बढ़ती महंगाई के चलते पेंशनर्स को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यायोचित मांगों पर शीघ्र निर्णय की अपेक्षा

पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मुन्नालाल शर्मा ने कहा कि दोनों मांगें पूर्णतः न्यायोचित और कर्मचारी हित में हैं। उन्होंने शासन से अपेक्षा की कि इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे सेवानिवृत्त विद्युत कर्मचारियों को राहत मिल सके। धरना प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

आत्मा योजना को लेकर प्राकृतिक खेती पर कृषक प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। कृषि विभाग द्वारा आत्मा योजनांतर्गत प्राकृतिक खेती (नेचुरल फार्मिंग) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को ग्राम जमुहा में जिला स्तरीय कृषक प्रशिक्षण

किसानों को मिली व्यावहारिक जानकारी

कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषकों ने सहभागिता कर प्राकृतिक खेती की आधुनिक एवं जैविक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जैविक खाद से फसल प्रदर्शनों पर परिचर्चा : कार्यक्रम में पंजीकृत जैविक

खेती करने वाले कृषकों के खेतों में स्वयं उत्पादित जैविक खाद से किए गए फसल प्रदर्शनों के लाभ पर भी विस्तृत परिचर्चा की गई। किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्राकृतिक खेती से न केवल लागत घटती है, बल्कि फसल में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

वैज्ञानिकों ने दिए उपयोगी सुझाव : प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र लहार से डॉ. बी.पी.एस. रघुवंशी (नोडल अधिकारी, प्राकृतिक कृषि), अखिलेश शाक्य (एसएडीओ कृषि), विकास पटेल, अनूप कुमार, विष्णु शर्मा (कृषि विस्तार अधिकारी) सहित अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती को अपनाने, स्थानीय संसाधनों से जैविक खाद तैयार करने तथा दीर्घकालीन लाभों के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया।

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता कदम

कार्यक्रम के अंत में किसानों से अपील की गई कि वे रासायनिक खेती से होने वाले दुष्प्रभावों को समझते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ उनकी आय में भी वृद्धि हो सके। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बरैया के बयान के बाद मीडिया में दरार

आशीष कुर्ल
भोपाल,11 फरवरी. कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के हालिया विवादित बयान के बाद मध्यप्रदेश कांग्रेस में आंतरिक कलह तेज हो गई है. पार्टी के प्रदेश मीडिया विभाग में इस मुद्दे को लेकर खुली खींचतान सामने आई है. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व ने हस्तक्षेप करते हुए मध्यप्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और मीडिया विभाग के राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त को भोपाल भेजा है.

पार्टी सूत्रों के अनुसार, 20 से अधिक कांग्रेस प्रवक्ताओं ने एक पत्र पर हस्ताक्षर कर आरोप लगाया है कि कुछ साथियों ने टीवी बहसों के दौरान बरैया के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा. पत्र में यह भी कथित रूप से कहा गया है कि मीडिया विभाग में 'आरएसएस स्लीपर सेल' सक्रिय हैं, जो पार्टी की विचारधारा के खिलाफ काम कर रहे हैं.

इस सप्ताह असंतुष्ट प्रवक्ताओं के एक समूह ने संजय दत्त से मुलाकात कर अपनी आपत्तियां रखीं, हालांकि बैठक बेनतीजा रही. बुधवार दोपहर दत्त फिर भोपाल पहुंचे और विवाद सुलझाने के प्रयास तेज किए. सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेताओं को फिलहाल सार्वजनिक बयानबाजी से बचने और संगठन में तनाव कम करने के निर्देश दिए हैं.

श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन लीला का भावपूर्ण वर्णन

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 11 फरवरी। जिले के अटेर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौकी में स्थित संतोषी माता मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान आज गोवर्धन लीला का

महामंडलेश्वर रामभूषण दास महाराज ने सुनाया इन्द्र के अहंकार मर्दन का प्रसंग

अत्यंत भावपूर्ण और ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर रामभूषण दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के माध्यम से अहंकार के विनाश और भक्ति की महिमा को विस्तार से

समझाया।

महामंडलेश्वर ने कहा कि देवराज इन्द्र को अपने पद और शक्ति का अभिमान हो गया था। उसी अहंकार के मर्दन के लिए लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण, जो स्वयं श्रीहरि विष्णु के अवतार हैं, ने गोवर्धन लीला की रचना की।

गोवर्धन पूजा का प्रसंग : था के दौरान महाराज ने बताया कि एक दिन भगवान श्रीकृष्ण ने देखा कि सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी विशेष पूजा की तैयारी कर रहे हैं। बाल सुलभ भाव से श्रीकृष्ण ने माता यशोदा से पूछा कि यह किसकी पूजा की तैयारी है। माता ने बताया कि यह देवराज इन्द्र की पूजा है, क्योंकि वे वर्षा करते हैं और अन्न उपजती है। इस पर श्रीकृष्ण ने कहा कि हमारी गायें गोवर्धन पर्वत पर चरती हैं, इसलिए गोवर्धन पर्वत ही पूजनीय है। जो देवता दर्शन भी न दें और पूजा न करने पर क्रोधित हों, ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। श्रीकृष्ण की लीला और वचनों से प्रभावित होकर बृजवासियों ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की।

इन्द्र का क्रोध और गोवर्धन धारण : इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझकर मूसलाधार वर्षा प्रारंभ कर दी। सात दिन तक लगातार प्रलय समान वर्षा होने लगी। तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर समस्त बृजवासियों, गायों और बछड़ों को शरण प्रदान की। भगवान ने सुदर्शन चक्र और शेषनाग को आदेश देकर वर्षा और जल प्रवाह को नियंत्रित कराया।

इन्द्र का अहंकार टूटा : सात दिन बाद देवराज इन्द्र को अपनी भूल का आभास हुआ। वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे, जहां उन्हें ज्ञात हुआ कि श्रीकृष्ण कोई सामान्य मानव नहीं, बल्कि पूर्ण पुरुषोत्तम नारायण हैं। इसके बाद इन्द्र ने श्रीकृष्ण से क्षमा याचना की और उनकी पूजा-अर्चना कर भोग लगाया। तभी से गोवर्धन पूजा की परंपरा प्रारंभ हुई।

गोवर्धन पूजा का महत्व

महामंडलेश्वर ने बताया कि इस दिन बृजवासी गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय-बैलों को स्नान कराकर रंग लगाया जाता है, नई रस्सी पहनाई जाती है तथा उन्हें गुड़ और चावल खिलाए जाते हैं। यह पर्व प्रकृति, पशुधन और कर्तव्य भाव का प्रतीक है।

संत समागम से सजी कथा

कथा के मध्य श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास महाराज (दंदरौआ धाम), कमलदास महाराज (टीकरी धाम), अवधूत महाराज (चिलोंगा सरकार), संत समिति जिलाध्यक्ष कालिदास महाराज, त्यागी महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और वातावरण भक्ति से सराबोर हो गया।

रौन थाना पुलिस की बरर्बता

शराब पीकर मजदूरों से की मारपीट, थाने में ही दिया आवेदन

नवभारत न्यूज
मेहगांव, 11 फरवरी। मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के थाना रौन में एक शर्मनाक घटना ने पुलिस की छवि को धूमिल कर दिया है। यहां पदस्थ प्रधान आरक्षक मनीष सिंह कुशवाह ने शराब के नशे में धुत होकर केंद्र सरकार की जन नल-जल योजना में काम कर रहे दो मजदूरों पर बेरहमी से मारपीट की। मजदूरों ने जातिसूचक गालियां सुनने के बाद बंदूकों के बटों से पिटाई खाई और शराब के लिए जबरन पैसे की वसूली का प्रयास किया गया। पीड़ित मजदूरों ने उसी थाने में प्रभारी को शिकायती आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। यह घटना न केवल पुलिस की गरिमा पर कलंक है, बल्कि अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के प्रति संवेदनशीलता की कमी को भी उजागर करती है।

घटना की पूरी कहानी रात लगभग 11:10 बजे की है। रौन कस्बे में बजाज एजेंसी के सामने नल-जल योजना की पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा था।

मजदूर दीपक बामनिया और राहुल बामनिया मेहनत से काम में जुटे थे। तभी थाना रौन से प्रधान आरक्षक मनीष सिंह कुशवाह अपने चार पुलिस सहकर्मियों के साथ शराब के नशे में वहां पहुंचे। नशे की हद पार करते हुए उन्होंने मजदूरों को जातिसूचक गालियां बरसाईं। विरोध करने पर मारपीट शुरू हो गई। पुलिसकर्मियों ने बंदूकों के बटों से दोनों मजदूरों पर हमला बोला। साथ ही, शराब के लिए पैसे मांगने लगे। पैसे न देने पर पिटाई और तेज हो गई।

पीड़ित दीपक और राहुल ने थाना प्रभारी रौन को लिखित शिकायत में सारी घटना का जिक्र किया। आवेदन में कहा गया कि पुलिसकर्मी नशे में थे और उनका व्यवहार अत्यंत आक्रामक था। उन्होंने न केवल शारीरिक हिंसा की, बल्कि मानसिक रूप से भी अपमानित किया। मजदूरों के शरीर पर चोटों के निशान हैं, जो इस बर्बरता के साक्ष्य हैं। आवेदन में न्याय की मांग करते हुए प्रधान आरक्षक मनीष सिंह कुशवाह और उनके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। थाना प्रभारी ने आवेदन स्वीकार तो किया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों ने कहा कि मजदूरों को न्याय मिलना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी बर्बरता न हो। यह केवल एक थाने की कहानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की खामी का प्रतीक है।

पुलिस ने अवैध शराब की बड़ी खेप जब्त की

भोपाल, 11 फरवरी. मध्यप्रदेश पुलिस ने राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से अवैध शराब के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है. इसी क्रम में पिछले सात दिनों के दौरान विभिन्न जिलों में समन्वित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 83 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब और वाहन जब्त किए हैं. झाबुआ जिले में 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस ने 293 पेटी अंग्रेजी शराब से भरे एक ट्रक को पकड़ा. जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 55.40 लाख रुपये बताई गई है. मामले में आगे की जांच जारी है. मुरैना जिले के बामौर थाना पुलिस ने शराब तस्करी करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 35 पेटी अवैध शराब और एक कार जब्त की. जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 9.60 लाख रुपये आंकी गई है. अशोकनगर में पुलिस ने अवैध कच्ची शराब निर्माण इकाई पर छापा मारकर 500 लीटर शराब और संबंधित सामग्री जब्त की, जिसकी कीमत 8.75 लाख रुपये बताई गई है. एक अन्य कार्रवाई में 8,250 रुपये की शराब भी जब्त की गई. जबलपुर में पुलिस ने देशी और विदेशी शराब के साथ एक वाहन जब्त किया, जिसकी कुल कीमत लगभग 1.02 लाख रुपये आंकी गई।